शुक्रवार

21 नवम्बर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 287
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बांग्लादेशी बाउंसर त्यूणी की लड़की के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने ऑपरेशन कॉलनेमी के तहत फर्जी पहचान पत्रों के साथ रह रहे बांग्लादेशी को पत्नी सहित गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार थाना नेहरूकॉलोनी तथा एलआईयू देहरादून को अवैध रूप से बार्डर क्रास कर भारत में आकर रह रहे एक बांग्लादेशी पुरूष के नेहरुकोलोनी क्षेत्र में एक महिला के साथ रहने की सूचना प्राप्त हुयी। जिस पर पुलिस द्वारा उक्त दोनों संदिग्ध महिला व पुरूष को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो हिरासत में लिये गये व्यक्ति ने अपना असली नाम ममून हसन पुत्र मौहम्मद अली यासीन निवासी मूल पता आनंदोवास थाना मुजीबनगर जिला मेहरपुर बांग्लादेश व महिला द्वारा अपना नाम रीना चौहान पुत्री विश्वजीत सिंह निवासी ट्यूटार पोस्ट बिरनाद तहसील त्यूणी जनपद देहरादून बताया। सख्ती से पूछताछ करने पर रीना द्वारा बताया गया कि वह वर्तमान में ममून हसन के साथ अलकनंदा इन्क्लेव नेहरू कालोनी में किराये पर रह रही है व उसके द्वारा ममून हसन के भारत के फर्जी प्रमाण पत्र अपने पूर्व पति सचिन चौहान के नाम पर बनाये गये हैं तथा वर्तमान में वह ममून हसन (सचिन चौहान) के साथ पति पत्नी के रूप में रह रहे हैं। ममून व रीना द्वारा षडयंत्र कर भारत के फर्जी पहचान पत्र बनवाकर अवैध रूप से भारत में निवास करने पर ममून व रीना के विरूद्ध थाना नेहरू कॉलोनी पर मुकदमा दर्ज कर ममून व रीना को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से फर्जी प्रमाण/पहचान पत्र व अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किये गये हैं। फर्जी पहचान पत्र बनवाने में ममून व रीना की सहायता करने वाले भी पुलिस के रडार पर हैं। पूछताछ में ममून द्वारा बताया गया कि रीना से उसकी पहचान फेसबुक के माध्यम से हुई थी, जिससे नजदीकियां बढने पर ममून 2019 में रीना से मिलने टूरिस्ट वीजा पर बांग्लादेश से भारत आया तथा रीना से उसकी मुलाकात देहरादून में हुई। जहां ममून 2 माह तक रीना के साथ रहकर वीजा खत्म होने के उपरान्त बांग्लादेश वापस चला गया। इसके उपरान्त ममून पुनः इसी प्रकार वर्ष 2020 व 2021 में टूरिस्ट वीजा पर भारत आया तथा कोरोना काल में वीजा समाप्ति के बाद वापस बांग्लादेश चला गया व रीना को भी अवैध रूप से बार्डर पार कराकर बांग्लादेश ले गया। जंहा दोनो द्वारा निकाह करना बताया गया व कुछ समय बाद ममून व रीना अवैध रूप से बार्डर पार कर भारत वापस आकर देहरादून में अलग-अलग स्थानों पर किराये पर पति पत्नी की तरह रहने लगे। रीना द्वारा बताया गया कि वह त्यूणी/देहरादून की निवासी है व पूर्व में उसका विवाह त्यूणी निवासी सचिन चौहान के साथ हुआ था व दोनो अलग रहने लगे।

रीना ने अपने कुछ परिचितों की सहायता से ममून हसन के लिये अपने पूर्व पति सचिन चौहान के नाम के फर्जी पहचान पत्र बनवाये व दोनो सचिन चौहान व रीना के नाम से पति-पत्नि की तरह साथ रहने लगे। ममून हसन देहरादून के एक क्लब में सचिन चौहान के नाम व पहचान पत्र से बाउंसर का काम करने लगा। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दून वैली मेल

संपादकीय

षडयंत्रों की राजनीति

बिहार के चुनाव परिणामों के बाद लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के नाम पर लंबे समय से लड़ी जा रही लड़ाई अब और भी तेज हो गई है। सत्ता पक्ष को इस चुनाव में मिली अप्रत्याशित जीत और विपक्ष की हार ने चुनाव की निष्पक्षता पर एक बार फिर ऐसे कुछ गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं जिन पर कोई भी विश्वास नहीं कर पा रहा है। इसके खिलाफ अब विपक्ष द्वारा जन विरोध का जो मोर्चा खोला गया है उसे लेकर विजेता सत्ता पक्ष में भी बेचैनी का माहौल है। क्योंकि इस चुनाव के नतीजे के बाद जीतने वालों से ज्यादा चर्चा के केंद्र में हारने वाले बने हुए हैं। बिहार चुनाव से पूर्व निर्वाचन आयोग द्वारा कराई गई एसआईआर जिसमें एक करोड़ से भी अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए थे और यह मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक जाने के बाद भी किसी मुकाम तक नहीं पहुंच सका। जबकि जिन लोगों को मृत बताकर उनको मताधिकार से वंचित किया गया उन्हें सुप्रीम कोर्ट तक में पेश किया गया। चुनाव के दौरान बिहार की महिलाओं को, जिनकी संख्या एक करोड़ 40 लाख है के खातों में 10-10 की नगदी भेजी गई, चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन का मामला होते हुए भी उस पर निर्वाचन आयोग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। देश में वोट चोरी और वोट चोरी से सत्ता हड़पने की खबरें अगर तहलका मचाए हुए हैं तो इन पर देश की न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग क्यों कोई एक्शन नहीं ले रहा है? अगर यह मान भी लिया जाए कि विपक्ष या राहुल गांधी द्वारा जो आरोप सरकार और निर्वाचन आयोग पर लगाये जा रहे हैं वह झूठे हैं तो फिर उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही है। इन तमाम सवालों पर सभी चुप्पी साधे हुए हैं। जिन्हें जवाब देना चाहिए वह खामोश है और जिन्हें जवाब नहीं देना चाहिए वह जवाब देते दिख रहे हैं। देश के 272 सेवानिवृत्ति अधिकारी और जज एक सामूहिक पत्र लिखकर उल्टा राहुल गांधी को ही चुप कराने पर आमादा है तथा उन पर आरोप लगा रहे हैं कि वह देश की संवैधानिक संस्थाओं और सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार कर लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्थाओं को बदनाम करने का काम कर रहे हैं। दरअसल राहुल गांधी को राजनीति से बाहर करने के मंसूबे में विफल हो चुकी सरकार के लिए इस देश में अगर उसके लिए सबसे बड़ा सर दर्द कुछ है तो वह है राहुल गांधी ही है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों को यह समझ लेना चाहिए कि राहुल गांधी अपनी उस छवि को तोड़कर जो सरकार द्वारा गढ़ी गई थी उससे बहुत आगे निकल चुके हैं। 272 लोग पूरा देश नहीं हो सकते। देश के गरीब व अल्पसंख्यक तथा ओबीसी राहुल गांधी के साथ खड़े हो चुके हैं। वह इतने निडर और निर्भीक हो चुके हैं कि सदन में खड़े होकर धर्म गुरुओं के उस तत्व ज्ञान को सत्ता की आंखों में आंखें डालकर कह चुके हैं कि डरो मत और डराओ मत। अगर सत्ता पक्ष को और उसके अंध भक्तों को अगर अभी समझ नहीं आ रहा है तो बहुत जल्द आ जाएगा कि राहुल जिस सत्य पथ की यात्रा पर निकल पड़े हैं वह उन्हें किसी भी सूरत में रोक नहीं पाएंगे। महाभारत और राम तथा रावण का युद्ध इस बात का गवाह है कि सत्यमेव जयते के सत्य को कोई झूठला नहीं सकता है हां सत्य को पराजित करने के लिए षड्यंत्र जरूर रचे जा सकते हैं। देश की राजनीति और लोकतंत्र तथा संविधान के भाग्य का फैसला भले ही कितने समय बाद हो लेकिन होगा जरूर।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने किए भगवान बदरीनाथ के दर्शन

हमारे संवाददाता

चमोली। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज सुबह बदरीनाथ धाम पहुंच कर भगवान बदरी विशाल के दर्शन किये। जहां उन्होने भगवान बदरीविशाल से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगलकामना की। इस दौरान मंत्री जोशी के साथ उनके पारिवारिक सदस्य भी दर्शन हेतु उपस्थित रहे।

बदरीनाथ धाम पहुंचने पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने कैबिनेट मंत्री का स्वागत किया। दर्शन और पूजा-अर्चना के बाद बीकेटीसी की ओर से मंत्री गणेश जोशी को प्रसाद, तुलसी माला और अंगवस्त्र भेंट किया गया। इसके पहले बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट विजय प्रसाद थपलियाल ने मंत्री का धाम में स्वागत किया। जिसके बाद मुख्य कार्याधिकारी ने कैबिनेट मंत्री को बदरीनाथ धाम की यात्रा व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधन, दर्शन प्रणाली, यात्री सुविधाओं और कपाट बंद होने की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होने बताया कि 25 नवंबर को बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद होंगे। अब तक साढ़े सोलह लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान बदरीविशाल के दर्शन किए हैं। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुविधाएं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मंदिर समिति द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधन और यात्री सेवाओं की सराहना की। इस अवसर पर पूर्व उपाध्यक्ष किशोर पंवार, प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, वेदपाठी रविंद्र भट्ट, प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप भट्ट, लेखाकार भूपेंद्र रावत, प्रभारी दफेदार हरेंद्र कोठारी,सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर दो लोगों से ठगे 27 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर दो लोगों से 27 लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मपुर निवासी नलिन ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान विजय कालोनी निवासी विजय गुसांई से हुई।

विजय ने उसको इशान खान, बालकृष्ण सिंह, सूरज सिंह, प्रियंका गुसांई अनिल कुमार, स्वाति लखेडा, अजय, सचिव, रवि रावत, कुनाल पाण्डे से मुलाकात करायी। सभी ने उसको बताया कि वह उसकी विदेश में नौकरी लगवा देंगे। जिसके बाद सभी ने उससे समय-समय पर दस्तावेज बनाने के नाम पर रूपयों की मांग की ओर उससे 25 लाख रूपये लिये लेकिन उसके बाद भी उसकी विदेश में नौकरी नहीं लगी और ना ही उसके रूपये वापस किये गये। इसके साथ ही चम्बा निवासी जितेन्द बलदेव ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि उसकी पहचान रिस्पना पुल कालोनी निवासी आशीष रतूडी से हुई आशीष ने उसको विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर दो लाख 18 हजार रूपये की ठगी की। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक्टिवा चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने घर के बाहर से एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गणपित आपार्टमेंट निवासी जतिन कुकरेजा ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ट्विटर पर प्रधानमंत्री के विरूद्ध भ्रामक खबरे डालने पर मुकदमा

देहरादून (संवाददाता)। ट्विटर पर प्रधानमंत्री के खिलाफ भ्रामक व आपत्तिजनक खबरे डालने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बलबीर रोड निवासी हनी पाठक ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि अज्ञात व्यक्ति के द्वारा ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ भ्रामक व आपत्तिजनक खबरें प्रसारित की जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आधुनिक सुविधाओं से लैस का पहला स्मार्ट पिंक एंड ग्रे-टॉयलेट तैयार

जनता को मिलेगी हाईटेक सुविधा, जल्द होगा लोकापर्ण

संवाददाता

देहरादून। आधुनिक सुविधाओं से लैस पहला स्मार्ट पिंक एंड ग्रे-टॉयलेट प्रेमनगर में बनकर तैयार हो गया जनता को हाईटेक सुविधा मिलेगी।

आज यहां राजधानी के मुख्य बाजारों में आम नागरिकों को बेहतर सुविधाओं देने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में नगर निगम द्वारा सिटी में हाईटेक पिंक और ग्रे स्मार्ट टॉयलेट बनाए जा रहे है। नगर निगम द्वारा प्रेमनगर मार्केट में महिलाओं के लिए हाईटेक पिंक टॉयलेट और पुरुषों के लिए ग्रे स्मार्ट टॉयलेट का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जल्द ही इसे आम जनता को समर्पित किया जाएगा।

आम नागरिक लोगों के लिए ये स्मार्ट टॉयलेट अत्याधुनिक तकनीकों और स्वच्छता मानकों के अनुरूप तैयार किए गए है। जिससे स्थानीय निवासी, व्यापारियों, विक्रम और बस स्टैंड में आने-जाने वाले लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देशन में राज्य के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में आधुनिक शौचालयों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। निगम द्वारा निर्मित इन हाई टेक शौचालय की साफ सफाई की मॉनिटरिंग मनसा फैसिलिटी एंड सर्विस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। इन शौचालय में पुरुषों के लिए तीन टॉयलेट सीट और महिलाओं के लिए चार टॉयलेट सीट की व्यवस्था है।

विशेष तौर पर यात्रा कर रहे दिव्यांग जनों के लिए भी रेस्ट रूम की व्यवस्था है, जिसमें बैसाखी और व्हीलचेयर भी उपलब्ध है। आधुनिक सुविधाओं से लैस इस हाईटेक टॉयलेट में छोटे बच्चों के लिए फीडिंग रूम भी बनाया गया है जिसमें बच्चों के मनोरंजन हेतु लिए टीवी और खिलौने रखे गए हैं। स्मार्ट हाईटेक शौचालय में महिलाओं की सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सेनेटरी पैड मशीन, हेयर ड्रायर और इंटरनेट की वाई-फाई फैसिलिटी के साथ 24 घंटे सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी भी लगाए गए हैं। स्मार्ट टॉयलेट में ऑटोमेटिक सेंसर युक्त वाशवेशन के साथ डस्टबिन और हैंड ड्रायर की व्यवस्था भी राहगीरों के लिए रखी गई है। महिलाओं के इस पिंक टॉयलेट में विशेष तौर पर एक सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया है। मुख्य बाजार प्रेमनगर से यात्रा कर रहे यात्रियों के लिए फर्स्ट एड, न्यूजपेपर स्टैंड, शू पॉलिश मशीन जैसी इत्यादि सुविधा मौजूद है। जल्द ही नगर निगम देहरादून द्वारा इस स्मार्ट हाईटेक टॉयलेट को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा पर्याप्त सार्वजनिक शौचालय होने से न केवल स्वच्छता में सुधार आएगा, बल्कि आम राहगीरों को भी बेहतर सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री की पहल पर राजधानी देहरादून के मुख्य बाजारों में बन रहे स्मार्ट और हाईटेक टॉयलेट स्वच्छ भारत मिशन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रेम नगर निवासी ऑटो संचालक नवीन कुमार साहनी ने बताया कि प्रेम नगर के मुख्य बाजार में काफी लोगों को शौचालय की समस्या से जूझना पड़ता था। मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही आज प्रेम नगर के मुख्य बाजार को एक स्मार्ट शौचालय मिला है। इससे यहां के राहगीरों और आम नागरिक को बडी सुविधा और राहत मिलेगी। नगर आयुक्त देहरादून नमामि बंसल ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में जगह-जगह कम्युनिटी टॉयलेट की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए फर्स्ट हाईटेक पिंक टॉयलेट का निर्माण किया जा रहा है। प्रेम नगर के मुख्य बाजार पर ज्यादा रहागीरों के आवागमन को देखते हुए इस टॉयलेट का निर्माण किया गया है। इसमें सेल्फी पॉइंट से लेकर कई आधुनिक सुविधाएं आम नागरिकों को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यह हाईटेक पिंक टॉयलेट बनकर तैयार है जल्द ही उद्घाटन कर आम जनता को समर्पित किया जाएगा।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने पॉम सिटी के पास एक्टिवा सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर दोनों के कब्जे से 15 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम हेमन्त सेमवाल पुत्र जगदीश सेमवाल निवासी देव ऋषि एन्क्लेव व आदिल पुत्र आबिद हुसैन निवासी नयी बस्ती रेसकोर्स बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

उपनल कर्मियों का धरना 12वें दिन भी जारी, धस्माना ने दिया समर्थन

देहरादून (संवाददाता)। नियमितीकरण व समान कार्य समान वेतन की मांग को लेकर धरना 11वें दिन भी जारी रहा। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने धरना स्थल पर पहुंचकर उपनल कर्मियों को अपना समर्थन दिया। आज यहां नियमितीकरण व समान कार्य समान वेतन की मांग को लेकर उपनल कर्मियों का धरना 11वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने ध रना स्थल पर पहुंचकर उपनल कर्मियों को अपना समर्थन दिया। संगठन के संयोजक विनोद गोदियाल ने कहा कि उपनल कर्मचारियों के आंदोलन में शही हुई बहन नीलम डोभाल की दुखद घटना होने पर भी सरकार का कोई मंत्री या अधिकारी धरना स्थल पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करने नहीं आया। उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे मंत्री और अधिकारी शायद अभी और कर्मचारियों के बलिदान हाने का इंतजार कर रहे है। धरने पर हरीश कोठारी, महासंघ के प्रदेश महामंत्री विनय प्रसाद, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष महेश भटट, प्रदीप सिंह, भूपेश नेगी, गणेश गोदियाल, सहित दर्जनों कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति और राज्यपाल की बिल मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट बोला..

अदालत बिल मंजूरी की टाइमलाइन तय नहीं कर सकती

♦राज्यपाल विधानसभा से पास बिलों को न लटकाएं

♦बिल मंजूर करें, लौटाएं या राष्ट्रपति को भेजेंय डेडलाइन नहीं, लेकिन देरी पर दखल देंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति और राज्यपाल की बिल मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि हमें नहीं लगता कि गवर्नरों के पास विधानसभाओं से पास बिलों (विधेयकों) पर रोक लगाने की पूरी पावर है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गवर्नर्स के पास 3 ऑप्शन हैं। या तो मंजूरी दें या बिलों को दोबारा विचार के लिए भेजें या उन्हें प्रेसिडेंट के पास भेजें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिलों की मंजूरी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की जा सकती। अगर देरी होगी तो हम दखल दे सकते हैं।

यह मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर ने राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने मामले में सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे। इस मामले में 8 महीने से सुनवाई चल रही थी।

समयसीमा तय नहीं की जा सकती

सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के लिए राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती। न्यायपालिका भी ऐसे मामलों में अनुमानित स्वीकृति (डीम्ड असेंट) नहीं दे सकती। डीम्ड असेंट को आसान भाषा में कहा जाए तो अगर राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास कोई बिल मंजूरी के लिए गया है, और वे समय पर जवाब नहीं देते, तो कानून यह मान लेता है कि मंजूरी दे दी गई है। यानी, बिना बोले भी हां मान ली जाती है।

राज्यपाल के पास 3 संवैधानिक विकल्प

गवर्नर के पास 3 संवैधानिक विकल्प हैं- मंजूरी, असेंबली को दोबारा विचार के लिए लौटाना और मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजना। गवर्नर 3 विकल्पों का इस्तेमाल करते समय अपनी समझ का इस्तेमाल करते हैं। संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल की शक्तियां उनके विवेक पर निर्भर हैं। किसी विधेयक पर फैसला लेते समय राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे नहीं हैं। कोर्ट मेरिट में नहीं जा सकता, लेकिन लंबे समय तक, बिना किसी वजह के, या अनिश्चित देरी होने पर, कोर्ट सीमित निर्देश जारी कर सकता है। राष्ट्रपति के साथ भी ऐसा ही है। न्यायिक समीक्षा पर पूरी तरह रोक है, लेकिन लंबे समय तक कार्रवाई न करने की स्थिति में, संवैधानिक कोर्ट अपने संवैधानिक पद का इस्तेमाल कर सकता है।

संविधानिक प्रावधान और राष्ट्रपति का कदम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मई में संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी। उन्होंने पूछा था कि क्या न्यायालय यह तय कर सकता है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल को बिलों पर कब तक निर्णय लेना चाहिए। राष्ट्रपति ने अपने पांच पन्नों के संदर्भ पत्र में 14 सवाल रखे हैं, जिनका जवाब सुप्रीम कोर्ट से मांगा गया है। यह सवाल मुख्य रूप से अनुच्छेद 200 और 201 से जुड़े हैं, जिनमें राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों का जिक्र है। **एजेंसी**

देश में जलवायु संकट गहराया- चार वर्षों में 400 फीसदी फसल को नुकसान

नई दिल्ली। देश में जलवायु संकट गहराया है और 2025 (जनवरी से सितंबर) में 99 फीसदी दिन किसी न किसी चरम मौसमी घटना की चपेट में रहे। देश ने लू, शीत लहर, बिजली, तूफान, भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाओं का सामना किया। इस भयावह स्थिति का मानवीय और आर्थिक दोनों तरह से भारी खामियाजा चुकाना पड़ा है। सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरनमेंट (सीएसई) और डाउन टू अर्थ की वार्षिक क्लाइमेट इंडिया 2025 रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इन नौ महीनों में, चरम मौसमी घटनाओं ने 4,064 लोगों की जान ली, जो पिछले चार वर्षों की तुलना में 48 फीसदी की वृद्धि है। कृषि क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ, जिसमें 9.47 मिलियन हेक्टेयर (करीब 47 मिलियन एकड़) फसल क्षेत्र प्रभावित हुआ, जो चार वर्षों में 400 फीसदी की भारी वृद्धि को दर्शाता है। इसके अलावा, 99,533 घर नष्ट हुए और लगभग 58,982 जानवरों की मौत हुई। 2025 में, कम से कम 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2022 के बाद से सबसे अधिक चरम मौसमी दिन दर्ज किए गए। फरवरी से सितंबर 2025 तक, लगातार आठ महीनों

भारत में इस साल 99 प्रतिशत दिन आपदाओं से प्रभावित

तक देश के 30 या उससे अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरम मौसम की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

हिमाचल में सबसे अधिक 257 चरम मौसमी दिन रहे

हिमाचल प्रदेश (257 दिन) में देश में सबसे अधिक चरम मौसमी दिन रहे, जबकि मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 532 मौतें दर्ज की गईं। रिपोर्ट बताती है कि मॉनसून का मौसम सबसे अधिक विनाशकारी रहा। लगातार चौथे वर्ष, जून से सितंबर तक के सभी 122 मॉनसून दिन चरम मौसम से प्रभावित रहे, जिससे 3,007 मौतें हुईं। कुल 4,064 मौतों में, भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन सबसे घातक रहे, जिनसे 2,440 मौतें हुईं, इसके बाद बिजली और तूफान से 1,456 मौतें हुईं।

2025 में जलवायु के कई रिकॉर्ड टूटे

रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 ने कई जलवायु रिकॉर्ड तोड़े। जनवरी 1901 के बाद पांचवां सबसे शुष्क महीना था, जबकि फरवरी 124 वर्षों में सबसे गर्म रहा। सितंबर में देश का सातवां सबसे अधिक औसत तापमान दर्ज किया गया। महाराष्ट्र 84 लाख हेक्टेयर के साथ फसल क्षेत्र के नुकसान के मामले में सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य था। क्षेत्रीय रूप से, उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में घटनाओं की सबसे अधिक आवृत्ति दर्ज की गई, जबकि मध्य क्षेत्र में 1,093 लोगों की मौतें हुईं।

जलवायु परिवर्तन का पैमाना समझना होगा

रिपोर्ट जारी करते हुए, सीएसई की महानिदेशक सुनिता नारायण ने कहा, देश को अब सिर्फ आपदाओं को गिनने की जरूरत नहीं है, बल्कि उस पैमाने को समझने की जरूरत है जिस पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन कटौती की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि इतने बड़े पैमाने की आपदाओं के लिए कोई भी अनुकूलन संभव नहीं होगा। सीएसई के कार्यक्रम निदेशक किरन पांडे ने मानसून के दौरान बढ़ते तापमान को चिंताजनक बताया, जो अनियमित और चरम मौसमी घटनाओं को ट्रिगर कर सकता है। डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट एक आवश्यक चेतावनी है और बिना निर्णायक शमन प्रयासों के आज की आपदाएं कल का नया सामान्य बन जाएंगी। **एजेंसी**

रॉबर्ट वाड्रा की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, ईडी ने संजय भंडारी मामले में दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा की कानूनी परेशानी एक बार फिर बढ़ सकती है। दरअसल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ब्रिटेन में बसे कथित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में उनके खिलाफ विशेष पीएमएलए अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, यह आरोप पत्र ईडी द्वारा लंबे समय से चल रही जांच का हिस्सा है, जिसमें वाड्रा की भूमिका और भंडारी से कथित संबंधों की पड़ताल की जा रही है। मूल रूप से 2015 के कालाधन रोकथाम कानून के तहत आयकर विभाग द्वारा दर्ज किए गए आरोप पत्र से उपजा था। आयकर विभाग ने 2016 में भंडारी के ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसके बाद वह लंदन भाग गया था। इसी वर्ष जुलाई में दिल्ली की एक अदालत ने भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी भी घोषित कर दिया था। इसके अलावा ब्रिटेन की अदालत पहले ही भारत सरकार के प्रत्यर्पण अनुरोध को खारिज कर चुकी है। ईडी ने फरवरी 2017 में भंडारी और अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया था। एजेंसी इससे पहले भंडारी से जुड़े मामलों में दो चार्जशीट दायर कर चुकी है और अब यह नई चार्जशीट रॉबर्ट वाड्रा की कथित भूमिका पर केंद्रित है। ईडी की जांच में विशेष रूप से लंदन स्थित एक संपत्ति को लेकर वाड्रा और भंडारी के बीच संभावित लेनदेन पर सवाल उठे हैं। हालांकि रॉबर्ट वाड्रा ने बार-बार इस बात से इंकार किया है कि लंदन या किसी अन्य विदेशी स्थान पर उनकी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कोई भी संपत्ति है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा की कानूनी परेशानी एक बार फिर बढ़ सकती है। दरअसल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ब्रिटेन में बसे कथित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में उनके खिलाफविशेष पीएमएलए अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। गौरतलब है कि वाड्रा के खिलाफयह दूसरी चार्जशीट है। सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी उनके खिलाफआरोप पत्र दाखिल किया था। नई चार्जशीट के बाद माना जा रहा है कि मामले की सुनवाई में तेजी आएगी और वाड्रा को आगे की कानूनी प्रक्रिया में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में अमेरिका के साथ हुए 368 अरब डॉलर के न्यूक्लियर पनडुब्बी सौदे को लेकर मचा हड़कंप

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में अमेरिका के साथ हुए 368 अरब डॉलर के न्यूक्लियर पनडुब्बी सौदे को लेकर हड़कंप मच गया है। दावा किया गया है कि इस सौदे में जासूसी का साया है। अमेरिका और ब्रिटेन के साथ ऑस्ट्रेलिया ने अकुस मंच के तहत आठ परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के निर्माण को लेकर समझौता किया है।

ऑस्ट्रेलिया का मकसद इंडो-पैसिफिक में चीन को काउंटर करना है। रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते के दो स्तंभ हैं। पहले स्तंभ के तहत ऑस्ट्रेलिया को अमेरिका से 3-5 वर्जीनिया-क्लास की एसएसएन पनडुब्बी खरीदना है और स्तंभ-2 के तहत ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम को संयुक्त रूप से एक नई एसएसएन-अकुस पनडुब्बी को डेवलप करना है। इसमें अमेरिका अपनी टेक्नोलॉजी देगा और इस प्रोजेक्ट के तहत साल 2040 के दशक की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की नौसेना को पनडुब्बियों की सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। करीब 4 साल पहले ही पनडुब्बियों के डेवलपमेंट के लिए तीनों देशों के बीच 368 अरब डॉलर का समझौता हुआ था, लेकिन अभी तक इसमें कुछ खास डेवलपमेंट नहीं हुआ है। वहीं, ट्रंप प्रशासन ने इस साल जून में इस कॉन्ट्रैक्ट की औपचारिक समीक्षा शुरू करने के भी आदेश दिए थे, लेकिन बाद में ट्रंप ने अक्टूबर महीने में समझौते को हरी झंडी दे दी और ऑस्ट्रेलिया को आश्वासन दिया कि उन्हें परमाणु पनडुब्बी मिल जाएगी। ट्रंप से हरी झंडी मिलने के कुछ ही हफ्तों बाद ऑस्ट्रेलिया में इस सौदे को लेकर नई चिंता का जिक्र किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में इन पनडुब्बियों को लेकर जासूसी की बात की जा रही है। ऑस्ट्रेलिया की कुछ एजेंसियों को आशंका है कि चीन समेत कुछ प्रतिद्वंद्वी देश संवेदनशील न्यूक्लियर प्रणोदन तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि अकुस सबमरीन प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए योग्य आवेदकों में से हर दस में से एक व्यक्ति के एप्लीकेशन को सुरक्षा कारणों से खारिज कर दिया है। इसके पीछे बड़ी वजहों में संदिग्ध विदेशी संबंध और डुएल सिटिजनशिप को तो ध्यान में रखा जा रहा है, खासकर ऐसे एप्लीकेशन खास तौर पर खारिज किए जा रहे हैं, जिनके संबंध चीन या भारत से हैं। बता दें इस प्रोजेक्ट के लिए कम से कम 20 हजार योग्य इंजीनियरों और टेक्निकल लोगों की जरूरत है लेकिन अमेरिका के सख्त नियम और सख्त सुरक्षा जांच की वजह से भर्ती प्रक्रिया काफी मुश्किल हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा संस्थान ने चेतावनी दी है, कि विदेशी एजेंसियां लिंक्डइन जैसी साइटों पर फर्जी जॉब पोस्ट डालकर रक्षा-क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स के जरिए संवेदनशील जानकारी निकालने की कोशिश कर रही हैं। बर्गेस ने कहा कि करीब 7,000 ऑस्ट्रेलियाई डिफेंस प्रोफेशनल्स ने अपने प्रोफाइल लिंक्डइन पर शेयर किए हैं, जिनमें से 400 से ज्यादा ने अकुस प्रोजेक्ट का खुलकर जिक्र किया है। इसीलिए वे जासूसी नेटवर्क के आसान लक्ष्य बन जाते हैं। ऑस्ट्रेलियन मीडिया में चीन के साथ भारत का नाम आना चौंकाने वाला है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत और ऑस्ट्रेलिया खुद क्वाड पार्टनर्स हैं और दोनों देशों के बीच गहरे संबंध हैं, जिस वक्त ऑस्ट्रेलियन मीडिया ने इसका खुलासा किया है, उस वक्त भी भारत और ऑस्ट्रेलिया की नौसेना जापान की नौसेनाओं के साथ गुआम में युद्धाभ्यास कर रही हैं। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में भारत से संदिग्ध लोगों के नामों को लेकर अस्पष्ट जिक्र किया है। लेकिन ये मामला कुछ ऐसा है, जब कतर में भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों को उसकी पनडुब्बी के रहस्यों की जासूसी करने के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी। **एजेंसी**

ब्रा की शॉपिंग करते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

एक सर्वे के अनुसार दुनिया भर की तकरीबन 80 प्रतिशत महिलाएं गलत साइज की ब्रा पहनती हैं। ऐसे में हमें ब्रा खरीदते समय खास ध्यान रखने की जरूरत है क्योंकि एक गलत साइज का अंडरगार्मेंट आपको दिन भर असहज महसूस करा सकता है। हर महिला को अपने ब्रा का सही साइज पता होना काफी जरूरी है। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें ब्रा खरीदते समय आपको जरूर फॉलो करना चाहिए...

दर्द भरे स्ट्रैप

ब्रा स्ट्रैप आपके अंडरगार्मेंट को रोककर रखता है इसलिए ये बिल्कुल फिट होना चाहिए। जब भी आप ब्रा खरीदने जाएं तो स्ट्रैप को करीब से जरूर देखें। ब्रा स्ट्रैप फ्लैट

और सॉफ्ट होना चाहिए जिससे कि ये आपके शोल्डर को तकलीफ न दे। अगर आप बहुत टाइट स्ट्रैप वाली ब्रा पहनती हैं तो पूरे समय आपको कंधे के पास असहस महसूस होगा। इसलिए जब भी ब्रा खरीदें सही साइज के साथ-साथ स्ट्रैप को भी करीब से देखें।

सही जगह से खरीदें

ब्रा खरीदते समय ऐसी जगह का चुनाव करें जहां हर तरह की वरायटी मौजूद हो और ट्रेंड ब्रा फिटर्स वहां पहले से मौजूद हों। ब्रा खरीदने से पहले अपने साइज और बॉडी शेप का अच्छी तरह से ध्यान रखें। जिस स्टोर के बारे में आप पहले से जानती हों वहीं जाएं, नए स्टोर पर जाना आपको कन्फ्यूज कर सकता है।

बॉडी शेप के अनुसार खरीदें

आजकल मार्केट में अलग-अलग स्टाइल के बेहद फैशनेबल ब्रा उपलब्ध हैं लेकिन फैशनेबल ब्रा खरीदने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि क्लीवेज एरिया और बांह के पास आपकी स्किन बहुत ज्यादा न दिखे वरना आपको शर्मिंदगी महसूस हो सकती है। सबकी बॉडी की बनावट एक जैसी नहीं होती। अगर एक चीज किसी पर अच्छी लग रही है तो वो आप पर भी अच्छी लगे ऐसा जरूरी नहीं है। इसलिए अपने बॉडी शेप के अनुसार ही ब्रा खरीदें।

पॉप-अप-कभी-कभी जैसे ही आप ब्रा पहनती हैं आपको लगता है कि ये बिल्कुल फिट है लेकिन जैसे ही आप अपने हाथ ऊपर करती हैं आपके ब्रेस्ट ब्रा से बाहर निकल आते हैं। ऐसा तब होता है जब आप गलत साइज की ब्रा पहनती हैं। इसलिए पब्लिक प्लेस और बाकि जगहों में हाथ ऊपर करने से बचने की बजाय सही साइज की ब्रा खरीदें , ये आपके लिए ज्यादा फायदेमंद होगा।

मटर हैं बहुत ही लाभकारी, सूजन आने पर करें ऐसा

मटर में मौजूद जिंक, मैगनीज, आयरन और तांबा शरीर को बीमारियों से बचाता है। मटर में एंटीऑक्सीडेंट होता है। जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढाता है जिससे शरीर रोगों से मुक्त रह सके। एक रिसर्च में पता चला है कि हरी मटर में काउमेस्ट्रोल होता है जो कि एक प्रकार का फाइटोन्यूट्रीयन्ट होता है...अगर शरीर में इसकी संतुलित मात्रा होती है तो कैंसर से लडने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यह भी पता चला है कि अगर आप हरदिन हरी मटर का सेवन करें तो पेट का कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है।

बच्चों का घर से बाहर निकलकर खेलना है बेहद जरूरी

ऑनलाइन गेम्स, कंप्यूटर और टीवी के इस युग में बच्चे घर से बाहर निकलकर आस पड़ोस के बच्चों के साथ खेलना ही भूल गए हैं। एक नए अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि बच्चों को घर से स्कूल भेजने वाले पैरंट्स सोचते हैं कि बच्चों को संगठित खेलों और शारीरिक गतिविधियों में व्यस्त कर वे उन्हें फिट रख रहे हैं लेकिन युवाओं को इसकी और ज्यादा जरूरत होती है। राइस यूनिवर्सिटी की लॉरा कबीरी सहित शोधकर्ताओं ने कहा कि समस्या इस बात को जानने को लेकर है कि आखिर कितनी सक्रियता संगठित जीवनशैली के लिए जरूरी है।

बच्चों का शारीरिक गतिविधियों में शामिल होना है जरूरी

शोधकर्ताओं का कहना है कि अभिभावकों को अपने बच्चों को प्रतिदिन शारीरिक गतिविधियों के लिए और ज्यादा समय देना चाहिए। कबीरी ने कहा कि अभिभावक जानते हैं कि अगर वे अपने बच्चों को तेज सांस लेते हुए और पसीना छोड़ते हुए नहीं देखेंगे तो इसका मतलब वे पर्याप्त परिश्रम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावकों से अपील है कि वे बच्चों को घर से बाहर लाएं और उन्हें दौड़ने दें, पड़ोसी बच्चों के साथ खेलने दें और उन्हें साइकल चलाने दें।

1 घंटी की ऐरोबिक गतिविधि जरूर करें

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार बच्चों को एक दिन में मुख्य रूप से एक घंटे की ऐरोबिक गतिविधि जरूर करनी चाहिए। लेकिन अन्य शोधों में पाया गया कि गैर-कुलीन स्पोर्ट्स में शामिल बच्चों को सिर्फ 20-30 मिनट में ही पर्याप्त परिश्रम कर लिया था। जर्नल ऑफ फंक्शनल मोर्फोलजी एंड किनेसिओलजी में प्रकाशित अध्ययन के लिए घर में पढ़ाई करने वाले 10-17 साल के 100 बच्चों को शामिल किया गया।

घर से बाहर निकलने के लाभ

- बच्चे तरोताजा रहते हैं
- खेल के दौरान शरीर से अतिरिक्त कैलरी खर्च होती है।
- साइकल चलाने, तैराकी से लेकर दौड़ना तक अच्छा व्यायाम है। इससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर ठीक रहता है।

अच्छी नींद आती है

अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद भी जरूरी है। खेलों में व्यक्ति थक जाता है और थकान होने पर नींद अच्छी आती है। इसलिए खेलों में खुद को थकाने से बेहतर नींद आती है।

बढ़ती है जागरूकता

जब बच्चे घर से बाहर खेलने जाते हैं तो अपने आस-पास के पर्यावरण और माहौल की जानकारी पाते हैं। इससे उनमें पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

फ्रिंज हेयरस्टाइल के लिए पार्लर जाने की जरूरत नहीं, घर पर ही करें ट्राई

क्या आपने भी कभी फ्रिंज या बैंग्स हेयर कट करवाने के बारे में सोचा है? वैसे तो ज्यादातर लड़कियां या महिलाएं अपने बड़े माथे को छिपाने के लिए इस हेयरस्टाइल को अपनाती हैं जिससे कि उनके बड़े माथे के कारण उनका फेस अजीब न लगे। लेकिन बहुत से लड़कियां और लेडीज इस स्टाइल को पसंद करती हैं और इसलिए इस हेयरस्टाइल के लिए सलून में काफी ज्यादा पैसे भी खर्च करती हैं। लेकिन अब आपको इसके लिए फिजूल के पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है। इस बेहतरीन हेयरस्टाइल को आप अपने घर पर ही कर सकती हैं। इसके लिए आपको एक आइना, तेज कैंची, थोड़ा-सा पानी और ढेर सारी हिम्मत की जरूरत पड़ेगी। ये ध्यान रखें कि बाल काटते समय आपका हाथ जरा भी न कांपे, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं और आपकी हेयरस्टाइल खराब हो सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

इस हेयरस्टाइल के लिए बाल काटते समय सबसे पहले आपको दो चीजें पता होनी चाहिए। पहली ये कि किस तरह का फ्रिंज आपके फेस पर अच्छा लगेगा। क्योंकि फ्रिंज भी दो तरह के होते हैं एक स्ट्रेट फ्रिंज और दूसरा साइड फ्रिंज। स्ट्रेट फ्रिंज लंबे चेहरे पर या पियर फेस पर अच्छा लगता है और साइड फ्रिंज गोल या अंडाकार फेस पर सूट करता है। ये आपके चेहरे को काफी

आकर्षक बनाता है। दूसरी चीज ये ध्यान में रखें कि आपके बाल कैसे हैं आपके बाल स्ट्रेट और भारी हैं, मौसी हैं या वाइल्ड या कर्ली हैं। स्ट्रेट और भारी बालों के लिए स्ट्रेट फ्रिंज बेस्ट है। इसके अलावा स्ट्रेट फ्रिंज कर्ली बालों पर भी अच्छे लगते हैं। फ्रिंज के लिए बाल ज्यादा छोटे न काटे थोड़े लंबे बाल ही सही रहेंगे क्योंकि बाल सूखने के बाद कर्ल हो जाएंगे। अगर आप छोटे बाल काटती हैं तो ये सूखने के बाद कर्ल होकर और छोटे हो सकते हैं।

कैसे काटें

1. सिर के सबसे ऊपर बीच से अपने बालों को आईब्रोज की दिशा में तीन भागों में डिवाइड करें। बाल डिवाइड करने के बाद आईब्रोज के हाई आच में खत्म होने चाहिए।

2. बीच के बालों को सामने रखें और बाकी बालों को चेहरे से हटाकर क्लिप कर लें।

3. जिन बालों को काटना है उन्हें गीला करें। बालों को अपने मिडिल फिंगर और इन्डेक्स फिंगर के बीच में एकदम स्ट्रेट लाइन में माप लें जो कि आईब्रोज के ठीक ऊपर खत्म हो रहा हो और इसे अच्छी तरह से रखें।

4. कैंची लें और जो बाल आपने उंगलियों के नीचे माप कर रखा है उसे काट लें।

5. अब उंगली हटाएं, कटे बालों को कंघी करें और ध्यान से देखें अगर कोई बाल छूट रहा हो तो उसे सावधानी से स्ट्रेट लाइन में काट लें। आपके फ्रिंज कटकर तैयार हैं।

टिप : अगर आपके बाल थोड़े फ्रिजी या कर्ली और भारी हैं तो फ्रिंज को आईब्रोज के थोड़े नीचे से काटें। आप कान के पीछे करने के लिए भी फ्रिंज रख सकती हैं या स्ट्रेट कट भी कर सकती हैं। आप अपनी पसंद के हिसाब से कोई भी स्टाइल ट्राई कर सकती हैं।

घड़ी ऐसे बना और बिगाड़ सकती है आपके काम

दक्षिण दिवार पर घड़ी टांगते है तो आपका चन्द्रमा गुरु और शुक्र ग्रह बलहीन हो जाता है । 1.आपका मन हमेशा अशांत रहेगा और मन में हमेशा नेगेटिव सोच आएगी।

2.घर में पूजा या धार्मिक कार्य में मन नहीं लगेगा और घर में हर सदस्य हमेशा का आपस में मतभेद होता रहेगा।

3.किसी को भी अपने कार्य में सफलता नहीं मिलेगी।

घड़ी पश्चिम दिवार पर टांगते हैं तो आपका शुक्र सूर्य बुध बलहीन हो जाते है।

1.घर में रहने वाली महिलाये अक्सर बीमार रहती है और पति पत्नी में भी अच्छी नहीं बन पाती है। 2.अकसर काम में उच्च अधिकारियो के विवाद होता है या उनको

प्रसन्न करने में हम असफल रहते है ।

3.घर में बच्चो का दिमाग पढ़ाई पर नहीं लग पाता है और न ही वो ठीक से बर्ताव करते है।

घडी पूर्व दिशा पर टांगते है तो आपने मंगल गुरु और शनि ग्रह बलवान हो जाते हैं।

1.काम में बहुत तरक्की होती है धन बढ़ता है ।

2.बच्चो की शिक्षा बहुत अच्छी होती है घर में शांति और खुशहाली का वातावरण रहता है।

उत्तर दिशा की और घडी टांगते है तो आपके सूर्य राहु शनि बलवान होते हैं।

1.स्वास्थय के लिए अच्छा रहता है

2.जीवन में जल्दी ही तरक्की मिलती है और पारिवारिक सुख भी अच्छा होता है और धन भी अच्छा होता है।

यहां घड़ी बिलकुल नहीं टांके

1.यदि आप टीवी के उपर घड़ी टांगते है तो आप आलसी हो जायेंगे और आपका मन किसी से बात करने का नहीं करेगा और काम को कभी भी समय पर नहीं कर पायेंगे।

2.यदि आप फ्रिज के ऊपर घड़ी टांगते है तो आपकी आर्थिक स्थिति बहुत धीरे धीरे होगी और लोग अक्सर आपको धोखा देंगे।

3.यदि आप दरवाजे के ऊपर या सामने घडी टांगते है तो घर में एकता की कमी रहती है।

4.कभी आप यदि समय आगे रखे तो सम संख्या यानि 2 मिनट ,10 मिनट रखे यदि आपने विषम संख्या में टाइम आगे रखें जैसे 5मिनट ,15 मिनट तो आपके सभी कामो में बाधा बढ़ जाएगी।

परफेक्ट दिशा-

यदि आपको काम में तरक्की और घर में बरकत देखना है तो घर में उत्तर की तरफ चकोर घडी लगाए। यदि हर काम में विजय प्राप्त करनी हो तो उत्तर की तरफ षठ कोणीय घडी लगाये।

नक्सलवाद पर बड़ा प्रहार एक नई सुबह की आहट

नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है और यह बड़ी उपलब्धि एवं परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुनियोजित, कठोर और व्यापक रणनीतियों का परिणाम है। वर्षों से जिस समस्या ने भारत के हृदयस्थल को रक्तरंजित किया था, जिस विचारधारा ने दशकों तक विकास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को बंधक बनाए रखा था, वह अब लगभग समाप्ति की कगार पर पहुँच चुकी है। इसका सबसे बड़ा और हालिया प्रमाण है देश के सबसे खतरनाक, खूंखार और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माओवादी कमांडर माड़वी हिड़मा का खात्मा, एक ऐसा नाम जिसके आतंक ने न सिर्फ सुरक्षा बलों बल्कि पूरे तंत्र को लंबे समय तक चुनौती दी। सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े-बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे।

2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। दरभा घाटी नरसंहार तक, सुरक्षा बलों के कई घातक ऑपरेशनों का गुनाहगार हिड़मा रहा। उसकी धमक इतनी थी कि उसके सिर पर 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था। लेकिन 18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए। मौके से मिली एके-47, पिस्टल, राइफलें और अन्य हथियार यह प्रमाणित करते हैं कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक प्रहार है। हिड़मा का अंत प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक ऐसा क्षण है जिसने नक्सली नेटवर्क को हिला कर रख दिया है। लंबे समय से 'लाल गलियारा' कहे जाने वाले क्षेत्र की गतिविधियाँ जिस तेजी से सिकुड़ रही हैं, वह दर्शाता है कि केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर जिस दोहरी रणनीति को अपनाया है, उसने वास्तविक जमीन पर असर दिखाया है। मार्च 2026 तक 'नक्सलमुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत इस साल 300 नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और आत्मसमर्पण किया-यह आँकड़े बताते हैं कि नक्सलवाद अब अपनी वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति खो चुका है। हाल ही में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में दो दिनों में सैकडों नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना यह दर्शाता है कि नक्सल संगठन अब अपने आधार क्षेत्रों में भी समर्थन खो रहा है, और आदिवासी समाज धीरे-धीरे सरकारी विकास योजनाओं की ओर बढ़ रहा है। इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है हिड़मा का खात्मा, जिसने माओवादी कमान में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है, जिसकी भरपाई उनके लिए आसान नहीं होगी।

आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। दशकों तक यह समस्या न सिर्फ कुछ राज्यों के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता और असुरक्षा का कारण रही। लेकिन अब जिस निर्णायक मोड़ पर देश खड़ा है, वह यह संकेत देता है कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। हाल के वर्षों में लगातार मिल रही सफलताएँ, शीर्ष नक्सली कमांडरों का सफाया, व्यापक आत्मसमर्पण, और प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास-ये सभी इस तथ्य को सिद्ध करते हैं कि देश एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। यह वह सुबह है जो भारत को भय, हिंसा और पिछड़ेपन से मुक्त कर, स्थायी शांति और तेज विकास की ओर ले जाती है। नक्सलवाद की जड़ें स्वतंत्रता के बाद की सामाजिक-आर्थिक असमानताओं, भूमि अधिकारों और आदिवासी इलाकों की उपेक्षा में थीं। कई क्षेत्रों में विकास की रोशनी नहीं पहुँची थी, सरकारी योजनाएँ कागजों में रह जाती थीं, और स्थानीय समुदाय प्रशासन के प्रति अविश्वास से भरे हुए थे। इस वातावरण में नक्सली संगठनों को जमीन और जनसमर्थन मिला। उन्होंने वर्ग संघर्ष और हथियारबंद क्रांति के नाम पर हिंसा का मार्ग अपनाया, जंगलों को अपनी ढाल बनाया और आदिवासी युवाओं को अपने साथ जोड़ लिया। धीरे-धीरे यह आंदोलन एक साम्यवादी विचारधारा का रूप लेते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती बन गया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपनी मूल विचारधारा से हटकर आतंक, वसूली, शोषण और खून-खराबे का अड्डा बन गया। सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों को बाधित करना, पुलों और स्कूलों को उड़ाना, आदिवासियों को ढाल बनाना, और सत्ता हासिल करने की लालसा-यह सब नक्सलवाद की असलियत बन गया। इस मानसिकता ने न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि हजारों परिवारों को तबाह किया और लाखों लोगों के जीवन को भय से भर दिया। लेकिन मोदी एवं शाह के प्रयासों से न केवल नक्सलवाद के खात्मे की सफल लड़ाई लड़ी गयी बल्कि नक्सल क्षेत्रों में विकास की योजनाओं को लागू किया गया। सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे। माड़वी हिड़मा जैसे अत्यंत खूंखार और रणनीतिक दिमाग वाले नेता का मारा जाना, नक्सलवाद की रीढ़ तोड़ने जैसा है। हिड़मा न सिर्फ नक्सलियों की सैन्य रणनीतियों का प्रमुख दिमाग था, बल्कि उसकी छवि ने वर्षों तक सुरक्षा बलों में चुनौती की भावना जगाई रखी। नक्सलवाद के कमजोर होने में केवल सुरक्षा अभियानों की भूमिका नहीं है, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति सबसे महत्वपूर्ण रही है। जब सरकार ने स्पष्ट किया कि देश को 卐नक्सलवाद मुक्त भारत卐 बनाना है, तो उसके लिए बहु-स्तरीय रणनीति अपनाई गई। एक ओर सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और सटीक इंटेलिजेंस से मजबूत किया गया, वहीं दूसरी ओर सड़कें, स्कूल, अस्पताल, दूरसंचार और आजीविका कार्यक्रमों द्वारा विकास को तेज किया गया। विकास और सुरक्षा का यह संयुक्त प्रभाव नक्सलवाद की जड़ों को खोखला करने में निर्णायक सिद्ध हुआ है। देश के सामने जो नई सुबह उभर रही है, उसका अर्थ सिर्फ यह नहीं कि बंदूकें शांत हो जाएँगी। इसका अर्थ यह भी है कि वे क्षेत्र, जो दशकों से पिछड़े थे, अब देश की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। वहाँ निवेश होगा, शिक्षा और स्वास्थ्य का ढांचा मजबूत होगा, पर्यटन और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, और लोग भय-मुक्त होकर जीवन जी पाएँगे। नक्सलवाद के पतन का संदेश यह भी है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी भी हिंसक विचारधारा से अधिक शक्तिशाली है। हथियार, भय और आतंक से सत्ता पाने का कोई भी प्रयास अंततः असफल होता है। जनता की आकांक्षाएँ सदैव विकास, सुरक्षा और शांति में होती हैं। नक्सली आंदोलन की जैसी समाप्ति दिख रही है, वह इस सत्य को और अधिक स्पष्ट करती है। नक्सलवाद की पूर्ण समाप्ति केवल बंदूक से नहीं होगी। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार विकास योजनाओं की निरंतरता बनाए रखे, आदिवासी समुदायों को सशक्त करे, स्थानीय संस्कृति और संसाधनों का सम्मान करे, और यह सुनिश्चित करे कि प्रशासनिक व्यवस्था पारदर्शी और संवेदनशील बने। यदि यह निरंतरता जारी रहती है, तो नक्सलवाद का पुनरुत्थान असंभव हो जाएगा। नक्सलवाद का लगभग खत्म होना भारत के लिए सिर्फ एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक मोड़ है। यह उस संघर्ष का अंत है जिसमें हजारों जवानों ने बलिदान दिया, लाखों नागरिकों ने दशकों तक आतंक सहा, और देश ने विकास की गति रोककर भी सुरक्षा को प्राथमिकता दी। आज जब नक्सलवाद ढह रहा है, तब यह केवल सरकार की सफलता नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक विजय है। यह एक नए भारत की सुबह है-शांत, सुरक्षित, विकासशील और आत्मविश्वासी। ऐसी सुबह जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रकाश से भर देगी।

क्या अब पूरे देश में शुरू होगी चुनाव पूर्व रेवड़ी वितरण नीति?

बिहार चुनाव परिणाम आ चुके हैं। परिणामों को लेकर तरह तरह से समीक्षाएँ की जा रही हैं। विपक्ष तो इस चुनाव को जनादेश के बजाये ज्ञानादेश कहकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता व विश्वसनीयता पर ही सीधा सवाल खड़ा कर रहा है। कुछ समीक्षकों की नजरों में धर्म निरपेक्ष मतों के विभाजन के कारण ऐसे परिणाम आये तो कुछ का आंकलन है कि महिला मतों ने चुनाव में निर्णायक भूमिका अदा की। मगर सच तो यह है कि जिसतरह के चुनाव परिणाम आये हैं उसका अंदाजा स्वयं भारतीय जनता पार्टी को भी नहीं था क्योंकि गृह मंत्री अमितशाह ने भी अब की बार 160 की विजय सीमा निर्धारित की थी जबकि 202 सीटों पर राजग ने फतेह हासिल की। महिलाओं द्वारा राजग के पक्ष में किये गए बंपर मतदान को लेकर यही कहा जा रहा है कि जिस समय चुनाव की घोषणा के दिन आचार संहिता का सरेआम उल्लंघन करते हुये बिहार में लगभग 1 करोड़ 51 लाख महिलाओं के खाते में 10000 रुपये डाले गए थे उसी समय से यह अंदाजा लगाया जाने लगा था कि चुनाव का रुख नितीश सरकार के पक्ष में जा सकता है। कहा यह भी जा रहा है कि विश्व बैंक से किसी अन्य परियोजना के लिए प्राप्त धनराशि को केंद्र सरकार ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए डायवर्ट किया और उन्हीं पैसों को राज्य की महिला मतदाताओं में बांट दिया गया। यही पैसे लगभग डेढ़ करोड़ महिला मतदाताओं के खाते में 10,000 रुपये प्रति खाते की दर से हस्तानांतरित कर दिये गये। गोया लगभग 40 हजार करोड़ रुपयों की भारी अनुमानित रकम रेवड़ियों की तरह बाँट दी गयी। चुनाव पूर्व रेवड़ी आवंटन का यही फार्मूला जिसे सीधे शब्दों में पैसे देकर वोट खरीदना भी कहा जा सकता है, पूर्व में मध्य प्रदेश,हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली में विभिन्न योजनाओं के नाम पर और अब बिहार में नकद वितरण के रूप में सफलता पूर्वक आजमाया जा चुका है। चुनाव घोषित होने के बावजूद आचार संहिता का सरेआम उल्लंघन करते हुये सरकारी खजाने से लोगों के खातों में बड़ी राशि डालने का सीधा अर्थ है वोट खरीदना। और चिंताजनक यह है कि यह अनैतिक व गैर कानूनी काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,भाजपा व उनके सहयोगी दलों द्वारा खुले तौर पर किया गया। सवाल यह है की पूर्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रेवड़ी बांटने के इस चलन को लेकर दिये गये प्रवचन क्या केवल विपक्ष के लिये ही थे स्वयं उनकी भाजपा या राजग दलों के लिये नहीं? याद कीजिये जब जुलाई 2022 को लखनऊ में एक कार्यक्रम में मोदी जी फरमाते हैं कि ये रेवड़ी बाँटने की संस्कृति देश के लिए बहुत खतरनाक है। जो रेवड़ी बाँट रहे हैं, वो आपके बच्चों का हक मार रहे हैं। यह रेवड़ी संस्कृति देश के विकास को खा जाएगी। फ्री की रेवड़ी बांटकर वोट लेने की होड़ देश को दीवालिया बना देगी। यह आने वाली पीढ़ियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। प्रधानमंत्री तो मुफ्त के रेवड़ी कल्चर से इतना आहत थे कि 15 अगस्त 2022 को लाल किले से अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में भी उन्हें इसका जिक्र करते हुये कहना पड़ा था कि हमें रेवड़ी कल्चर से बचना होगा जो देश को तबाह कर देगा। उस समय उन्होंने राज्य सरकारों विशेषकर विपक्ष शासित राज्यों पर निशाना साधते हुए कहा था कि मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी,मुफ्त बस यात्रा आदि जैसी योजनाएँ चुनावी लाभ के लिए लाई जा रही हैं, जो राज्यों की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर रही हैं। उनकी यह टिप्पणी खासतौर पर उस समय की दिल्ली, पंजाब, पश्चिम बंगाल आदि की गैर बीजेपी सरकारों की मुफ्त योजनाओं के संदर्भ में की गई थी। परन्तु उपरोक्त योजनाएं जिसे प्रधानमंत्री रेवड़ी बता रहे थे इसमें बिजली पानी बस यात्रा जैसी सुविधाएँ तो थीं परन्तु बिहार की तरह 10 हजार रूपये बिना किसी योजना के बैंक खतों में डालना, जिसे सीधे तौर पर पैसे देकर वोट खरीदने के सिवा और क्या कहा जा सकता है ऐसी कोई योजना नहीं थी? फिर मोदी जी का रेवड़ी संस्कृति को लेकर लाल किले तक से रुन्दन करना आखिर बिहार में कहाँ चला गया? क्या केवल विपक्षी दलों के लिये ही प्रधानमंत्री की ये नसीहत थी? और इन सबसे बड़ा सवाल अब भविष्य के चुनावों के लिए खड़ा हो गया है कि क्या अब भविष्य के चुनाव का आधार भी चुनाव पूर्व नकद वितरण ही हुआ करेगा? क्या बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा, स्वास्थ, कानून व्यवस्था व भ्रष्टाचार जैसे अनेक जनहितकारी मुद्दे अब चुनावी मुद्दे नहीं हुआ करेंगे? नैतिक रूप से तो कर्ज मुआफी मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त बस यात्रा जैसी सुविधाएँ देना भी मुनासिब नहीं परन्तु आश्चर्य तो यह है कि प्रधानमंत्री को इस तरह की योजनायें रेवड़ी नजर आ रही थीं तो बिहार में चुनाव के दौरान ही बिना किसी योजना के नकद पैसे बांटकर सीधे तौर पर वोट खरीदना कहाँ की नैतिकता है? बिहार में सरकार तो जरूर बन गयी है परन्तु सरकार बनाने के लिये मुफ्त बांटे गये लगभग 40 हजार करोड़ रुपयों के बाद राज्य की आर्थिक स्थिति पर क्या फर्क पड़ेगा, क्या रेवड़ी बांटने वालों द्वारा इसका भी आंकलन किया गया है? और चुनाव आयोग द्वारा मूक दर्शक बनकर इस अनैतिक व गैर कानूनी काम को देखते रहना क्या सीधे तौर पर यह सन्देश नहीं देता कि यह सारा खेल सत्ता व चुनाव आयोग की सामूहिक मर्जी से रचा गया? क्या अब हम दुनिया को यही बातयेंगे कि भारत में चुनाव नीतिगत आधार पर नहीं होते बल्कि यहाँ वोट खरीदे जाते हैं? और क्या अब कुर्सी से चिपके रहने के सत्ता की चुनाव पूर्व नकद रेवड़ी वितरण नीति बिहार की ही तरह पूरे देश में शुरू होगी?

सच्चिदानन्द सिन्हा- भारतीय समाजवादी विचार परम्परा के संवाहक

समाजवादी चिंतक ओर लेखक सच्चिदानन्द सिन्हा का बुधवार को निधन हो गया। उन्होंने मुजफ्फरपुर में अपने आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली।भारतीय समाजवादी विचार परम्परा के एक युग का अवसान हो गया। अभी पिछले महीने उनकी 98 वीं जयंती मनाई गई थी।सच्चिदानन्द बाबू का जीवन और लेखन दोनों आश्चर्यचकित करते हैं।अपने पीछे वे अपना विपुल लेखन छोड़ गए हैं।दुनिया को समझने के लिए जो रोशनी पाना चाहेंगे उनको उनका लेखन लंबे समय तक आलोकित करता रहेगा। दरअसल, पिछले पाँच दशकों में उनकी दो दर्जन से ज्यादा किताबें प्रकाशित हुई इसमें लगभग एक दर्जन अंग्रेजी में और उससे भी ज्यादा हिंदी में। उनका लेखन समकालीन राजनीति से लेकर सौंदर्यशास्त्र तक, बिहार के पिछड़ेपन को समझने से लेकर जाति व्यवस्था की उत्पत्ति का पता लगाने तक, नक्सलवादी आंदोलन की वैचारिक नींव की आलोचना से लेकर मौजूदा पीढ़ी के लिए समाजवाद का घोषणापत्र लिखने तक, सभी विषयों पर विस्तृत है। जहां विचारों का मूल्य मुख्य रूप से बाहरी चिह्नों से निर्धारित होता है, सच्चिदानंद सिन्हा गुमनामी में रहने से संतुष्ट हैं। अपनी पहली प्रमुख पुस्तक, समाजवाद और सत्ता, में सच्चिदानंद जी ने प्रचलित समाजवादी रूढ़िवादिता की इसी पूछताछ को जारी रखा।

गर्मियों में बच्चों के लिए खरीदें ऐसे टिफिन

जिसमें बना रहे खाने का पोषण

गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है खान-पान पर। खान-पान में एक अहम भूमिका होती है टिफिन की। ध्यान रखें कि टिफिन ऐसे मटीरियल का होना चाहिए, जिसमें खाना खराब न हो और जो नॉनटॉक्सिक हो, विशेषकर बच्चों का टिफिन। हम आपको बता रहे हैं कि आपको बाजार से कैसे टिफिन खरीदने चाहिए...

केमिकल फ्री हो

बाजार में बीपीए फ्री प्लास्टिक के कुछ टिफिन आते हैं, जिन पर किसी भी प्रकार की केमिकल कोटिंग नहीं होती। इसमें खाना काफी देर तक सुरक्षित रहता है। इन्हें आप माइग्रावेब ओवन में भी रख सकते हैं।

टैंपर्ड ग्लास के बने टिफिन

आजकल बाजार में कई अच्छे ब्रैंड के टेंपर्ड ग्लास के बने टिफिन उपलब्ध हैं। इनमें आप खाने को गरम भी कर सकते हैं। ये मतबूत होने के साथ ही आपके खाने के पोषक तत्वों को बनाए रखते हैं।

कॉटन के पैक्स

मार्केट में प्लास्टिक पॉलीथिन प्रतिबंधित है। ऐसे में आपके लिए कॉटन के पैक्स एकदम उचित रहेंगे। इनमें आप कोई भी स्नैक्स रखकर अपने लाडले को स्कूल के लिए दे सकती हैं।

स्टील के लंच बॉक्स

पहले जमाने में स्टील के लंच बॉक्स का काफी चलन था। प्लास्टिक को खतरनाक बताए जाने के बाद से स्टील के लंच बॉक्स एक बार फिर से चलन में हैं। आप भी बाजार से अच्छी क्वालिटी के स्टेनलैस स्टील के लंच बॉक्स खरीदकर अपने बच्चे को स्कूल के लिए दे सकती हैं।

इंसुलेटिड लंच बॉक्स

नॉनटॉक्सिक प्लास्टिक से बने इन लंच बॉक्स में खाना काफी देर तक फ्रैश रहता है। दाम में ये थोड़े महंगे जरूर हो सकते हैं, लेकिन अच्छी क्वालिटी के इंसुलेटिड लंच बॉक्स लेने के बाद खाने की टेंशन से फ्री हो जाएंगी।

अपने दिमाग में इन बातों को कभी भी भूल कर ना सोचें...

रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसी कई छोटी-बड़ी घटनाएं घटती हैं, जब हमें दूसरों की बातें बुरी लगती हैं। बुरा लगना एक सामान्य प्रक्रिया है लेकिन बुरी लगी उन बातों के आधार पर कुछ सोचना गलत है। जानिए कैसे... दूसरों से अपनी तुलना करके उससे मुकाबला करना और फिर दूसरे को कमतर दिखाना और ऐसा लगातार करते जाना एक तरह का नशा है, इससे बचना चाहिए। अगर किसी ने आपके साथ ऐसा किया है तो उसका सही वक्त आने पर सही तरह से जवाब दें। हर वक्त उस मौके की ताक में न रहें। किसी ने आप पर जो कमेंट किया है, उसे कभी दिल से नहीं लागना चाहिए। क्योंकि इससे आपकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है।

-जब कोई आप पर कमेंट करे तो खुद को शांत रखने का प्रयास करना चाहिए। इसका सबसे अच्छा तरीका है चेहरे पर स्माइल रखना। जब भी आप मुस्कुराते हैं दिमाग शांत होता है। क्योंकि दूसरों से उलझकर अपना समय बर्बाद करना किसी भी सूरत में सही नहीं है। दूसरों से प्यार करना अच्छी बात है लेकिन खुद को अनदेखा करना बहुत गलत है। कभी भी यह सोचकर खुद को अनदेखा न करें कि आपने किसी से कोई वादा किया है और उसे पूरा करना है, फिर चाहे जो हो जाए।

यात्रा के दौरान मिचलाता है जी ऐसे बचें ट्रैवल सिकनैस से

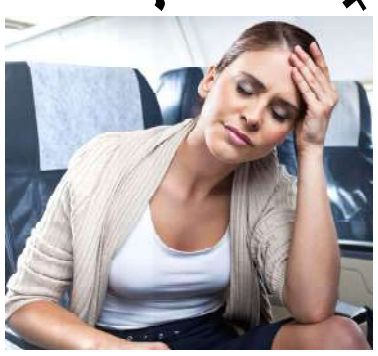

यात्रा के दौरान तबीयत बिगड़ने, यानी घबराहट या जी मिचलाने को ट्रैवल सिकनैस कहते हैं. सफर में होने वाली यह परेशानी किसी को भी हो सकती है. ट्रैवल सिकनैस सफर के दौरान की गतिविधियों जैसे, समुद्र की लहरों, हवाईजहाज के चलने, बंद गाड़ी में बैठने, सड़क पर धच्चियां लगने की वजह से होता है. इस दौरान लोगों को उबकाई आना, पसीना आना, उलटियां आना, चक्कर आना, सिरदर्द होना जैसी शिकायतें होती हैं. पढ़ें, ट्रैवल सिकनैस कम करने के उपाय-

ऑटो या गाड़ी में पिछली सीट पर बैठने से बचें. पीछे बैठ कर किताब पढ़ने के बजाय सामने की सीट पर बैठें.

खुद को ऐसी स्थिति में रखें जहां आप को कम से कम गतिविधि का एहसास हो, जैसे जहाज में विंग्स के ऊपर वाली सीट लें.

यात्रा के दौरान प्राकृतिक हवा लेने का प्रयास करें, खुले में सांस लेकर बेहतर महसूस करते हैं.

यात्रा के दौरान आंखें बंद न करें, इससे कुछ गतिविधियों का अहसास अधिक होता है और ट्रैवल सिकनैस शुरू हो जाती है.

लंबी यात्रा में ज्यादा न खाएं. समुद्री यात्रा से पहले हलका खाना खाएं.

समुद्री यात्रा के दौरान सिर और शरीर की गतिविधियां कम करें. कमर टेककर अपने सिर को स्थिर रखें.

परेशानी से बचने के लिए खिड़की से बाहर देखें या ताजा हवा के लिए खिड़की खोल लें. कुछ चबाते रहें. चुइंगम भी चबा सकते हैं. नीडल पौइंट थेरैपी (पी60) वाले कलाई बैंड पहनें. अदरक ट्रैवल सिकनैस को दूर करता है. लंबे समय से उबकाई के के लिए अदरक का टुकड़ा चबा सकते हैं.

बेडरूम को सजाने में ये 5 बातें आएंगी बड़े काम

घर की सजावट के बारे में प्लान बनाते वक्त हमारा सारा ध्यान लिविंग रूम पर ही रहता है। घर के बाकी हिस्सों विशेषकर बेडरूम को हम भूल जाते हैं। बेडरूम में खूबसूरत बेड लगाने के साथ-साथ और भी कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिनकी हमें अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

लैम्प और लाइटिंग

ऐसा सोचने की भूल कतई न करें कि बेडरूम केवल आराम करने और सोने की जगह है। बेडरूम वह जगह है जहां से आपका मूड तय होता है। बेड के कोने में अच्छी सी लाइट आपके मू ड को रोमांटिक बनाने के लिए जरूरी है।

आर्टवर्क की न करें अनदेखी

अक्सर आपने देखा होगा कि लोग लिविंग रूम में ही दीवार पर आर्टवर्क लगाते हैं। यदि आप बेडरूम में भी दीवार पर अच्छी सी पेंटिंग लगाएं तो यह सोते और जागते वक्त आपके मूड को खुशनुमा बनाए रखता है।

डार्क कलर से बचें

बेडरूम की दीवारों पर भूलकर भी भड़कीले रंगों का प्रयोग न करें। इससे

निगेटिव एनर्जी आती है। बेहतर होगा कि बेडरूम की दीवारों पर आप हल्के और प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करें।

जरूरत से ज्यादा फर्नीचर न हो

बेडरूम के साइज को देखकर आपको फर्नीचर का चुनाव करना चाहिए। बेडरूम में बहुत भारी-भरकम फर्नीचर रखने के बजाए ऐसा फर्नीचर लगाना चाहिए, जिसमें आपको स्टोरेज स्पेस भी मिल सके। इससे आपका सामान इधर-उधर नहीं बिखरेगा और आप का कमरा खुला-खुला भी रहेगा।

बेडरूम में बिस्तर हो आपका मनपसंद

अक्सर देखने में आता है कि जल्दबाजी में लोग बेड पर कोई भी बेडशीट बिछाकर काम चला लेते हैं। ऐसा करना सही नहीं है। बेडशीट साफ-सुथरी और आपके मनपसंद रंग की होनी चाहिए। एक बात और ध्यान देने वाली है कि अपने बेड पर आप जरूरत से ज्यादा तकिए ओर कुशन न रखें। इससे रात में आपकी नींद खराब हो सकती है।

छींक आए तो उसे रोके नहीं, वरना हो सकती है ये जानलेवा बीमारी

क्या आपने कभी अपनी छींक को आते हुए रोका है? पब्लिक प्लेस पर जब मुझे छींक आती है तो मैं नाक बंद करके हल्की आवाज में छींकती हूं जिससे आस-पास मौजूद लोगों को मेरी छींक की आवाज न आने पाए. मैं ऐसा अभी से नहीं, बल्कि कई सालों से करती आ रही हूं. यकीन मानिए थोड़े समय पहले मैं ऐसे ही वेबसाइट पर आर्टिकल सर्च कर रही थी. मैंने क्या देखा कि एक व्यक्ति ने अपने छींक को रोका तो उसके साथ दुर्घटना हो गई. वो दुर्घटना यह थी कि जब उसे छींक आई तो उसने अपनी छींक की आवाज को दबाने के लिए नाक बंद की और मुंह पर हाथ रख लिया. मैंने जब यह पढ़ा तो मुझे झटका लगा और छींक को रोकने का क्या नुकसान होता है यह भी पता चला. 34 साल के ब्रिटिश व्यक्ति ने जब अपनी छींक को इस तरह रोका तो उसके गले में दर्द शुरू हो गया जिसके बाद न वो कुछ खा पा रहा था और न ही बोल पा रहा था. जब इन्हें हॉस्पिटल लेकर जाया गया तो पता चला कि छींक रोकने की वजह से उन्होंने अपने गले में एक छेद कर लिया है जो कि उनके गले के

पीछे की ओर है. उनकी यह परेशानी इतनी विशाल हो चुकी थी कि डॉक्टर्स को उन्हें एक हफ्ते तक हॉस्पिटल में ही रखना पड़ा. डॉक्टरों का कहना था कि व्यक्ति के गले में एक सूजन के साथ काफी दर्द हो रहा था, क्योंकि उन्होंने नाक बंद करके और मुंह पर हाथ रखकर छींक को रोका था. डॉक्टरों की जांच करने के बाद उन्हें पता चला कि गले से नीचे रिबकेज में एक आवाज सुनाई दे रही थी. चेस्ट में मौजूद टिशू और मांसपेशियों में पानी के बुलबुले बन गए थे जिसके बाद डॉक्टर ने उन्हें आगाह करते हुए कहा कि छींक आने पर उसे रोकना नहीं चाहिए क्योंकि ऐसा हमारे शरीर के अंदरुनी फोर्स की वजह से होता है. इसलिए अगली बार आपको जब भी छींक आए तो उसको आवाज के साथ लें. हां, लोगों के सामने ऐसा करना आपके लिए काफी अजीब हो सकता है लेकिन क्या फर्क पड़ता है. थोड़े समय का संकोच आपको होने वाली कई परेशानियों से बचा सकता है.

ले रहे हैं चाय की चुस्की, तो जरूर रखें इन बातों का ध्यान

चाय हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा है, जिसे हम चाहकर भी नजरअंदाज नहीं कर सकते। जिस दिन चाय ना पियों तो ऐसा लगता है मानों दिन की शुरुआत ही नहीं हुई है। भारत में लगभग 90 प्रतिशत लोग सुबह की शुरुआत चाय के साथ करते हैं। क्या आपको लगता है कि यह एक अच्छी आदत है? रिसर्च के अनुसार सुबह खाली पेट चाय पीना काफी नुकसानदायक हो सकता है, खासतौर पर गर्मियों में। चाय में कैफीन और टैनिन होते हैं जो कि शरीर में ऊर्जा भर देते हैं। अगर आपका बिना चाय पिए काम नहीं चलता है तो आज हम चाय के बारे में कुछ जरुरी जानकारी है जो हम आपके साथ आज शेयर कर रहे हैं। अगर आप खाली पेट या फिर अधिक चाय पीते हैं तो आपको इसके नुकसान के बारे में जरुर पता होना चाहिये। चाय में ढेर सारा एसिड होता है जिसे खाली पेट सुबह पीने से पेट के रस पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिये कई लोगों को सुबह चाय पीनी अच्छी नहीं लगती। रिसर्च के अनुसार पाया गया है कि जो लोग खाली पेट बहुत अधिक दूध वाली

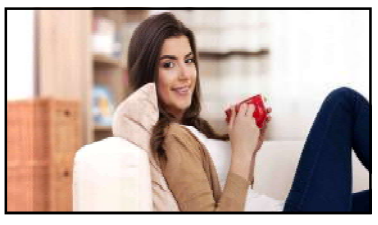

चाय पीते हैं, उन्हें थकान का एहसास होता है। चाय में दूध मिलाने से एंटीऑक्सीडेंट का असर खतम हो जाता है। चाय में दूध ना मिलाया जाए तो वह काफी फायदा पहुंचाती है, जैसे मोटापा कम करना। पर अगर अधिक ब्लैक टी का सेवन किया जाए तो वह सीधे पेट पर असर करती है। चाय में टैनिन होता है, खासतौर पर गहरे रंग वाली चाय में। ऐसे में वह आपके खाने में मौजूद आयरन के साथ रिएक्ट कर सकती है इसलिये दोपहर में खाना खाने के बाद चाय ना पियें। चाय के साथ बिस्कुट या अन्य चीज़ें खाने से पेट द्वारा चाय अच्छी तरह से पचा ली जाती है। दूसरी ओर चाय के साथ नमकीन या मीठा खाने से शरीर को सोडियम की प्राप्ति होती है, जिससे अल्सर नहीं होता।

संत समाज जीवन्त तीर्थ के समान होता है:धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि संत समाज जीवन्त तीर्थ के समान होता है, जो समाज को सत्पथ की ओर प्रेरित करता है। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रुड़की के जीवनदीप आश्रम में आयोजित भव्य पाँच दिवसीय धार्मिक एवं सामाजिक महोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने सनातन संस्कृति के संरक्षक संत-महात्माओं, धर्माचार्यों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि संत समाज जीवन्त तीर्थ के समान होता है, जो समाज को सत्पथ की ओर प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री ने पद्मभूषण ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परमपूज्य जगद्गुरु महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरि महाराज सहित सभी संतजनों को साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि संतों की दिव्य उपस्थिति मन और आत्मा में नई ऊर्जा का संचार करती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जीवन दीप सेवा न्यास के इस पाँच दिवसीय महोत्सव में शतचंडी महायज्ञ, श्री भक्तमाल कथा, 1100 बालिकाओं का पूजन, पाठ्य सामग्री वितरण एवं पाँच कन्याओं के सामूहिक विवाह जैसे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज में सेवा-भावना का अद्भुत संदेश दे रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी सभागार, श्री सिद्धबली हनुमान द्वार तथा शहीद चौक का लोकार्पण एवं उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि शहीद चौक हमारे अमर बलिदानियों के साहस और राष्ट्रभक्ति का स्मारक है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मैंन मार्ग से सुनहरा मार्ग चौराहे को शहीद चौक के नाम दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी महाराज ने राष्ट्र, धर्म एवं मानवता की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर समाज को त्याग, करुणा एवं सेवा का पवित्र मार्ग दिखाया। उन्हीं की प्रेरणा से जीवन दीप सेवा न्यास शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, महिला सशक्तिकरण, गौ-संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज विश्वभर में भारत की सनातन संस्कृति का गौरव बढ़ा है। उन्होंने उल्लेख किया किख्भव्य राम मंदिर निर्माण, बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम पुनर्निर्माण,काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक निर्माण जैसी पहलें हमारी सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।केदारखंड एवं मानसखंड मंदिर क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के साथ यमुनातीर्थ स्थल का पुनरुद्धार, हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर,शारदा कॉरिडोर निर्माण, दून विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर हिन्दू स्टडीज की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर जून अखाड़े के महामंडलेश्वर यतिद्रनंद गिरी महाराज ने भवन के लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री सहित सभी जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र वासियों का कार्यक्रम में शामिल होने पर आभार व्यक्त किया।

10 किलो गांजे सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में नशा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 10 किलो गांजा बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली रानीपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर भारी मात्रा मे नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को पथरी पुल से आगे धनौरी रोड नहर पटरी पर एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 10 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम सुमंगलम कुमार पुत्र संतोष मिस्त्री निवासी चण्डी घाट आधे पुल के नीचे थाना श्यामपुर हरिद्वार बताया। बताया कि वह उक्त गांजे को कलियर से एक व्यक्ति से हरिद्वार में बेचने के लिये लेकर आया था। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

बंद घर में हुई लाखों की चोरी, जांच शुरू

उधमसिंहनगर (हमारे संवाददाता)। विवाह समारोह में गये परिवार के बंद घर को निशाना बनाते हुए चोरों ने लाखों के जेवरात व नगदी सहित अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पड़ताल शुरू कर दी गयी है। जानकारी के अनुसार किच्छा कोतवाली क्षेत्रांतगत वार्ड नंबर 2 निवासी बबलू गंगवार अपने परिवार के साथ सोमवार को रिश्तेदारी में हो रही एक शादी में गए थे। बताया जा रहा है कि जब बीती शाम परिवार घर पहुंचा तो घर का सारा सामान बिखरा हुआ मिला। चोरों ने अलमारी व लॉकर का ताला तोड़कर करीब 5 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, 55 हजार रुपये की नगदी, एलसीडी टीवी, और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की बारीकी से जांच की। आसपास के घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर बाइक सवार तीन संदिग्ध युवक चोरी की वारदात के दौरान कैमरे में कैद दिखाई दिए हैं। पुलिस अब उन्हीं संदिग्धों की तलाश में जुट गई है।

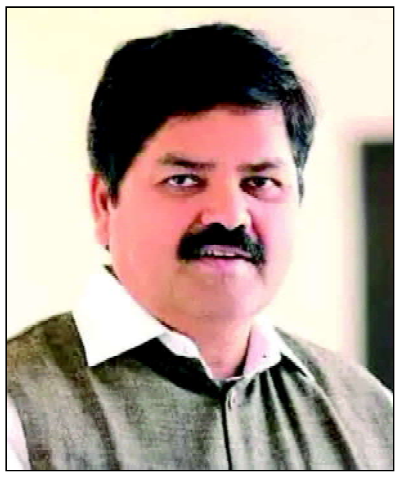

भारत की लौह महिला के नाम से मशहूर इंदिरा गांधी के योगदान को ये देश सदैव याद रखेगा: गोदियाल

संवाददाता

देहरादून। प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती पर उनको श्रद्धांजलि देते हुए नवनियुक्त कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि भारत की लौह महिला के नाम से मशहूर इंदिरा गांधी के योगदान को देश सदैव याद रखेगा।

आज देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी 108वीं जयंती पर कांग्रेसजनों द्वारा प्रदेश के नव नियुक्त अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में भारी संख्या में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्षस श्री गणेश गोदियाल के नेतृत्व में स्व0 श्रीमती इन्दिरा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि राष्ट्र एवं विश्व की महान जननायिका तथा देश की एकता के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाली त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति, मात्र शक्ति की प्रतीक स्व. श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी प्रतिभा कौशल एवं विद्वता से देश को प्रगति के पथ पर लाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी तथा गरीबी निवारण के साथ-साथ बैंकों का राष्ट्रीयकरण, बीस सूत्रीय कार्यक्रम जैसे विकासोन्मुखी कार्यक्रम शुरू करने के साथ ही सामाजिक समरसता एवं सद्भाव को मजबूत बनाने की दिशा में अनेकों उल्लेखनीय कार्य किये थे। स्व. इन्दिरा ने विश्व ख्याति प्राप्त करते हुए समूचे विश्व का ध्यान भारत की ओर आकर्षित किया और देश के दुश्मनों का सिर झुका कर भारत की सम्प्रभुता मानने को मजबूर किया तथा बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तानी फौज पर ऐतिहासिक विजय हांसिल कर अलग बांग्लादेश के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। गणेश गोदियाल ने कहा कि जिस महिला ने इस विश्व का नक्शा बदल दिया उस महिला को ये देश सदैव अपने दिल में रखेगा, उनके पक्के इरादे और जनता की सेवा के लिए जिंदगी भर के समर्पण ने भारत की तरक्की के सफर पर एक अमिट छाप छोड़ी है। देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए उनका आखिरी बलिदान लाखों सलाम का हकदार है। इंदिरा गांधी शुरू से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहीं। बचपन में उन्होंने ''बाल चरखा संघ'' की स्थापना की और असहयोग आंदोलन के दौरान कांग्रेस पार्टी की सहायता के लिए 1930 में बच्चों के सहयोग से ''वानर सेना'' बनाई। सितंबर 1942 में उन्हें जेल में डाल दिया गया। 1947 में इन्होंने महात्मा गांधी के मार्गदर्शन में दिल्ली के दंगा प्रभावित क्षेत्रों में कार्य किया। बचपन से ही उनके मन में देश प्रेम एवं देश सेवा की भावना रही जिसे उन्होंने अपनी अंतिम सांस तक निभाया। उन्होंने कहा कि चाहे देश के भीतर राजनीतिक स्थिरता बनाए रखना हो, आर्थिक सुधार लागू करना हो या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति मजबूत करना हो, इंदिरा गांधी ने हर चुनौती का सामना साहस और दूरदर्शिता के साथ किया। उनके कई निर्णय विवादित रहे, लेकिन उन्होंने हमेशा देशहित को प्राथमिकता दी। श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना, पूरण सिंह रावत, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र शाह, राजेंद्र भंडारी, कोषाध्यक्ष आर्येन्द्र शर्मा, महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी, पूर्व महानगर अध्यक्ष लाल चंद्र शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता डॉ प्रतिमा सिंह, सुजाता पॉल, राजेश चमोली, जगदीश धीमान, आचार्य नरेशानन्द नौटियाल, अर्जुन सोनकर, विनोद चौहान, मनीष नागपाल, दिनेश सिंह, गुल मुहम्मद, सावित्री थापा, ललित भद्री, नितिन बिष्ट, आदर्श सूद, सुनील बांगा, आशु रतूड़ी, शकील अहमद, शरीफ बेग, रघुवीर बिष्ट, यशपाल चौहान, दिनेश कौशल, अनुराधा तिवाडी, सावित्री थापा, मदन लाल, हरिमोहन सिंह रावत, हुकम सिंह कठैत, अर्जुन भंडारी, मनवर सिंहआदि उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं की हडताल 11वें दिन भी जारी

संवाददाता

देहरादून। चेम्बर निर्माण की मांग को लेकर हडताल पर चल रहे अधिवक्ताओं का विरोध 11वें दिन भी जारी रहा।

आज यहां चेम्बरों सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत अधिवक्ताओं का धरना प्रदर्शन 11वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान अधिवक्ता हरिद्वारा रोड पर धरने पर बैठे रहे। वकीलों के चेंबर निर्माण और जमीन आवंटन की मांगों को लेकर देहरादून बार एसोसिएशन और सरकार के बीच कोई समन्वय नहीं बन सका है। एसोसिएशन की ओर से गठित संघर्ष समिति ने सरकार के सामने अपनी मांगे रख दी हैं। इस सूरत में आम लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। अदालत के साथ-साथ रजिस्ट्रार ऑफिस का काम भी ठप पड़ा है। हड़ताल के चलते बस्ते, टाइपिंग, स्टाम्प वेंडर आदि सेवाएं भी पूरी तरह बंद हैं।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल और सचिव राजबीर सिंह बिष्ट ने सभी अधिवक्ताओं को आंदोलन में शामिल होने के लिए अनिवार्य उपस्थिति दर्ज कराने को कहा है। उन्होंने कहा कि सभी अधिवक्ता अदालत और न्यायिक कार्यालयों से पूरी तरह विरत रहेंगे। रजिस्ट्रार ऑफिस में भी काम नहीं होगा। समिति ने भवन निर्माण और भूमि आवंटन से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित करके प्रशासन के सामने रखे है। प्रशासन की ओर से दिए जाने वाले आश्वासन, फैसले या घोषणाएं लिखित में और समयबद्ध तरीके से ही स्वीकार्य होंगी। नई जिला अदालत में आवंटित भूमि के साथ पुरानी जिला अदालत की संपूर्ण भूमि को अधिवक्ता चैंबर व भवन निर्माण के लिए आवंटित करने की मांग रखी है, जिसका उपयोग सभी वकील, मुंशी, टाइपिस्ट, स्टाम्प विक्रेता और विधि व्यवसाय से जुड़े अन्य लोगों के बैठने, पार्किंग, कैंटीन, पुस्तकालय, ऑडिटोरियम और वॉशरूम आदि की सुचारु व्यवस्था के लिए किया जाएगा। नई और पुरानी अदालत को जोड़ने के लिए अंडरपास बनाने की मांग है, क्योंकि दोनों के बीच सड़क पार करना मुश्किल होता है, हादसों का डर रहता है और यातायात भी बाधित होता है। सभी चेंबर, भवन और अंडरपास का निर्माण कार्य सरकार अपने खर्च पर अपनी सरकारी एजेंसी के माध्यम से करवाए। निर्माण की देखरेख व निगरानी बार एसोसिएशन की ओर से नियुक्त समिति करेगी। सरकार निर्माण संबंधी सभी महत्वपूर्ण फैसलों में इस संघर्ष समिति के सदस्यों को शामिल करेगी।

धरने के दौरान धरना स्थल पर पहुंचे कांग्रेस कमेटी के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि अत्यंत अफसोस की बात है कि राज्य की राजधानी जहां मुख्यमंत्री, समेत पूरी सरकार है, राज्यपाल व मुख्य सचिव समेत पूरी प्रशासनिक व्यवस्था है वहां के अधिवक्ता पिछले दस दिनों से एक ऐसे मुददे पर जो पूरी तरह से वाजिब है चैंबर निर्माण की मांग को लेकर धरने पर बैठ रहे हैं उनकी सुनवाई सरकार गम्भीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्यजनक बात है कि अदालों बन गयी पर अदालतों में पैरवी करने वाले अदालत के अधिकारी यानि वकील उनके बैठने का इंतजाम सरकार ने नहीं किया। धस्माना ने कहा कि बिना वकील के अदालत कैसी। उन्होंने कहा कि होना तो यह चाहिए था कि जब जिला न्यायालय का परिसर यह बनना शुरू हुआ था उसी वक्त अदालतों के निर्माण के साथ वकीलों के चैंबर भी बनने चाहिए थे किंतु ऐसा नहीं हुआ और आज जब नए परिसर से सारी अदालतें नए परिसर में आ गयी ऐसे में अधिवक्ताओं को पुराने परिसर से सडक पार कर नए परिसर में आना पडता है। उन्होंने कहा कि यह बात भी समझ से परे है कि पुराने परिसर में पैंसठ बीघा में बैठे अधिवक्ता के चैंबर पांच बीघा जमीप पर कैसे बनेंगे इसलिए सरकार को चाहिए कि पुराने परिसर का एक भाग वकीलों के चैंबर के लिए आवंटित किया जाये और पुराने व नए परिसर को जोडने के लिए अंडरपास का निर्माण किया जाये। जिसके पश्चात सूर्यकांत धस्माना के द्वारा अधिवक्ताओं के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गयी।

कांग्रेसजनों ने मुख्य वन संरक्षक कार्यालय का घेराव कर भालू एवं बाघ के आतंक से लोगों का निजात दिलाने की मांग की

भालू और बाघ ने दर्जनों लोगों एवं सैकड़ों मवेशियों को बना चुके हैं अपना निवाला: गणेश गोदियाल

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भालू और बाघ के लगातार हो रहे हमलो के प्रति वन विभाग की लापरवाही के चलते कई लोगों को गंवानी पड़ रही है जांन

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में आज कांग्रेसजनों ने मुख्य वन संरक्षक कार्यालय का घेराव कर भालू एवं बाघ के आतंक से लोगों का निजात दिलाने की मांग की।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रदेश अध्यक्ष श्री गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कांग्रेसजन बडी संख्या में दिलाराम चौक पर एकत्रित हुए जहां से उन्होंने वन विकास निगम कार्यालय की ओर कूच किया तथा मुख्य वन संरक्षक कार्यालय का घेराव करते हुए ज्ञापन के माध्यम से भालू एवं बाघ के हमले से हो रहे नुकसान को रोकने की जबरदस्त मांग की।

मुख्य वन संरक्षक को सौंपे ज्ञापन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि राज्य के विभिन्न पर्वतीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हाल के दिनों में जंगली जानवरों, विशेषकर भालू एवं बाघ के हमलों की घटनाएँ तेजी से बढ़ी हैं। इन घटनाओं के कारण आम नागरिकों, किसानों, महिलाओं, पशुपालकों तथा जंगलों में लकड़ी, चारा, पत्ती आदि के लिए जाने वाले लोगों विशेषकर महिलाओं में भारी भय व असुरक्षा का वातावरण बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 6 माह से ग्रामीण क्षेत्रों से लगातार ऐसी घटनाएँ सामने आ रही हैं जिनमें भालू के हमले से गंभीर घायल होने, बाघ के शिकार बनने, तथा पालतू पशुओं के मारे जाने की घटनाओं में भारी वृद्धि हो रही हैं। जहां एक ओर अकेले पौडी एवं चमोली जनपद में भालू एवं बाघ सैकड़ों पालतू जानवरों को अपना निवाला बना चुके हैं। वहीं बाघ एवं गुल्दार के हमले में कई लोग अपनी जान गंवा बैठे हैं तथा कई गम्भीर रूप से घायल हैं। इन घटनाओं के कारण न केवल जान-माल का नुकसान हो रहा है बल्कि लोगों की आजीविका एवं सामान्य जीवन भी प्रभावित हो रहा है तथा लोग पर्वतीय जनपदों से पलायन को मजबूर हो रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि इस गंभीर समस्या के समाधान हेतु उपरोक्त मांगों पर त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वन विभाग इस जन-महत्व के विषय पर गम्भीरता से संज्ञान लेते हुए शीघ्र प्रभावी कदम उठायेगा। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री हीरा सिह बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना, कोषाध्यक्ष आर्येन्द्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र सिंह भण्डारी, राजेन्द्र शाह, पूर्व विधायक राजकुमार, महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला, महेन्द्र सिंह नेगी, विरेन्द्र पोखरियाल, महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी, जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, प्रभुलाल बहुगुणा, सुरेन्द्र सिंह रांगड़, संजय शर्मा, उपेन्द्र थापली, अश्विनी बहुगुणा, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह, राजेश चमोली, शीषपाल बिष्ट, ओम प्रकाश सती बब्बन, संजय कनौजिया, सुवर्षा पॉल, पंकज क्षेत्री, उर्मिला थापा, सोनिया आनन्द, निधि नेगी, यशपाल चौहान, जिलाध्यक्ष सुरेश डिमरी, प्रदीप जोशी, सुलेमान अली, मोहन सिंह खत्री, जगदीश धीमान, पार्षद रॉबिन त्यागी, सुशांत बोरा, आयुष, अर्जुन सोनकर, ऐतात खान, अरविन्द, इलियास अंसारी, सागर मनवाल, मनीष नागपाल, पुष्पा पंवार, रघुवीर बिष्ट स्वाति नेगी, शिवानी थपलियाल, सुनित सिंह राठौर, गोविन्द सिंह पुंडीर, अमेन्द्र बिष्ट, ललित भद्री, आशु रतूड़ी, शकील अहमद, शरीफ बेग, अखिलेश उनियाल, प्रमोद बिष्ट, सागर मनवाल, करतार सिंह नेगी, अमन सिंह, अजय रावत, अज्जी रावत, विनीत प्रसाद भट्ट, अनिल नेगी, अनिल उनियाल, नितिन बिष्ट, गिरिराज हिन्दवान, मनीष गौनियाल, प्रशांत खंडूरी, अनुसूचित जाति अध्यक्ष मदन लाल, नितिन चंचल, संजय थापा, महिपाल शाह, दिनेश कौशल, अनुराधा तिवाडी, सावित्री थापा, कैलाश बाल्मीकि, आशीष देसाई, फैजल खान, अमन सिह, प्रकाश नेगी, लक्ष्मण सिह नेगी, पुनीत चौधरी, जाकिर अंसारी, अशोक कुमार, आदर्श सूद, सुनील बांगा, फरमान अली, सुभम खरोला, राहुल बगरियाल, मंजू चौहान आदि मौजूद रहे।

मुख्य वन संरक्षक से की मांग.....

1. प्रभावित क्षेत्रों में भालू एवं बाघ के मूवमेंट का ट्रैकिंग एवं मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए। 2. वन विभाग द्वारा रात के समय गश्त और निगरानी बढ़ाई जाए। 3. गाँवों के आसपास ट्रैंक्विलाइजर टीम और आपातकालीन रेस्क्यू यूनिट तैनात की जाए। 4. मानव-वन्य जीव संघर्ष से पीड़ित परिवारों को तत्काल मुआवजा और उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जाए। 5. ग्रामीणों को जागरूक करने हेतु सुरक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएँ। 6. जहाँ आवश्यक हो वहाँ बाड़बंदी व चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाए जाएँ। 7. वन विभाग, स्थानीय पंचायत एवं प्रशासन के बीच समन्वय तंत्र मजबूत किया जाए। 8. मानव एवं वन्य जीवों के मध्य संघर्ष को रोकने के लिए दो प्रकार की कार्य योजना तैयार की जाय। पहली तात्कालिक योजना जिसके तहत इस प्रकार के प्रबन्ध किये जांय कि तत्काल इस संघर्ष में न्यूनता दर्ज की जाय, दूसरी दीर्घ कालिक जिसके तहत इस प्रकार के प्रबन्ध किये जांय कि वन्य जीवों का रिहायशी इलाके में प्रवेश पूरी तरह से रोका जा सके।

दहेज हत्या में मुकदमा दर्ज, ससुराली फरार

हमारे संवाददाता

देहरादून/ऋषिकेश। दहेज हत्या के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जबकि ससुराली पक्ष विवाहिता का शव अस्पताल में छोड़कर फरार है जिनकी तलाश जारी है।

मामला मॉडर्न स्कूल के पास जाटव बस्ती का है। आरोप है कि दहेज लोभियों ने विवाहिता की हत्या कर दी और फिर उसका शव अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए। मृतका के पिता उमेश कुमार, निवासी दुर्गा मंदिर चंद्रेश्वर नगर ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उन्होंने 20 जुलाई 2023 को अपनी बेटी सोनी का विवाह सुमित, निवासी जाटव बस्ती के साथ किया था। शादी के बाद से ही सोनी के पति सुमित, सास जसवंती, ससुर विनोद, जेठ अमित, जेठानी रूबी, नंद कामिनी और सिया लगातार दहेज की मांग करते हुए उसे प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि उनकी कई बार मांगें पूरी करने के बावजूद ससुराल पक्ष का दहेज का लोभ कम नहीं हुआ। उमेश कुमार ने बताया कि 30 सितंबर 2023 को भी दहेज प्रताड़ना को लेकर पुलिस में मेडिकल रिपोर्ट सहित शिकायत दी गई थी, लेकिन प्रताड़ना का सिलसिला जारी रहा।

आरोप है कि बीते 18 नवम्बर को आरोपियों ने मिलकर सोनी की हत्या कर दी और उसका शव अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

संदिग्ध हालात में फंदे पर लटकी महिला की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। संदिग्ध हालात में फंदे पर लटकी एक महिला की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गोरापड़ाव हाथीखाल निवासी 23 वर्षीय महिला योगिता बुधवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटकी मिली। बीते रोज पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाकर शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया।

बताया जा रहा है कि गौला में मजदूरी करने वाला गौतम सक्सेना अपनी पत्नी योगिता और डेढ़ साल की बेटी के साथ गोरापड़ाव में किराए के मकान में रहता है। बुधवार रात योगिता कमरे में फंदे से लटकी मिली। परिजनों के अनुसार योगिता पिछले कुछ दिनों से बुरे सपनों से परेशान थी। उनके मुताबिक, पास में रहने वाले एक युवक ने भी कुछ समय पहले फांसी लगाई थी, और उसी घटना को लेकर योगिता मानसिक रूप से विचलित थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया हो। बहरहाल पुलिस अब मामले की जांच में जुटी हुई है।

विक्रम की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार घायल

देहरादून(संवाददाता)। विक्रम की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अठूरवाला निवासी कमल सिंह गुसांई ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पुत्र प्रदीप सिंह अपनी मोटरसाईकिल से घर की तरफ आ रहा था जब वह मणिमाई मन्दिर के पास पहुंचा तो पीछे से तेज गति से आ रहे विक्रम ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। विक्रम चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। दुकान के बाहर बैग से सामान चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुराया गया सामान भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीते 19 नवम्बर को प्रमोद सिंह पंवार निवासी ग्राम गणाई ज्योतिर्मठ ने कोतवाली ज्योतिर्मठ में तहरीर देकर बताया कि पातालगंगा के पास स्थित उनकी दुकान के बाहर रखे बैग से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा 23 हजार रूपये कीमत का मोबाइल फोन, 2 हजार नगद, एटीएम कार्ड, और पैन कार्ड चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम की अथक मेहनत और तकनीकी दक्षता का परिणाम यह हुआ कि मात्र कुछ ही समय में आरोपी की पहचान कर ली गई। पुलिस ने जीरो बैंड पेट्रोल पंप के पास जाल बिछाकर, हरियाणा के झज्जर जिले के निवासी अमन पुत्र चन्दन कुमार को चोरी किए गए सामान मोबाइल फोन व दो हजार की नगदी सहित गिरफ्तार कर लिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालयहीमान्यहोगा.प्रकाशितसामग्रीके लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहींहोगी।